स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

प्रेस नोट संख्याः 294, दिनाकः 01–10–2024

फर्जी तरीके/कूटरचित अंकपत्र (मार्कशीट) तैयार कराकर भारतीय डाक विभाग में 'ग्रामीण डाक सेवक' पद पर भर्ती कराने वाले गिरोह के सरगना सहित 13 गिरफ्तार।

दिनांक 30–09–2024 को एस0टी0एफ0, उत्तर प्रदेश को फर्जी तरीके/कूटरचित अंकपत्र (मार्कशीट) तैयार कर भारतीय डाक विभाग में **'ग्रामीण डाक सेवक'** पद पर भर्ती कराने वाले गिरोह के सरगना सहित 13 व्यक्तियों को थाना सिविल लाईन, जनपद अलीगढ क्षेत्र से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–

1– **साजिद अली पुत्र इरफान अहमद नि0 मौ0 धरावती थाना–कोतवाली शहर जनपद अमरोहा। (मुख्य सरगना)**
2– **साकिब पुत्र आरिफ नि0 ग्राम–वैट थाना सिम्भावली जनपद हापुड। (गिरोह का सक्रिय सदस्य)**
3– **विकल यादव पुत्र रविन्द्र यादव नि0 ग्राम–भानूपुरा सिरसागंज फिरोजाबाद। (डाक विभाग में चालक वर्तमान तैनाती मैनपुरी)**
4– **सुहैल पुत्र सलीम नि0 मोहल्ला बहजोई कुरैशियान संभल। (गिरोह का सक्रिय सदस्य)**
5– **अहम मिश्रा पुत्र जगन्नाथ मिश्रा नि0 ग्राम–मदारगेट सौतियाना मोहल्ला, कोतवाली शहर जनपद मैनपुरी। (गिरोह का सक्रिय सदस्य)**
6– प्रियाकुल चौधरी पुत्र अशोक कुमार नि0 ग्राम–गगौडाजट थाना हलदौर जनपद बिजनौर। (अभ्यर्थी)
7– हेमन्त कुमार पुत्र देवेन्द्र सिंह नि0 ग्राम–मिर्जापुर महेश उर्फ बाकुर कोतवाली शहर जनपद बिजनौर। (अभ्यर्थी)
8– सुमित चौधरी पुत्र विजय सिंह नि0 ग्राम–मिर्जापुर महेश उर्फ बाकुर कोतवाली शहर जनपद बिजनौर। (अभ्यर्थी)
9– गौरव चौधरी पुत्र सौपाल सिंह नि0 ग्राम बांकपुर थाना कोतवाली, जनपद बिजनौर। (अभ्यर्थी)
10– कासिम पुत्र अनवार नि0 अकराबाद जनपद अलीगढ़। (अभ्यर्थी)
11– आसिफ पुत्र बसगर नि0 ग्रम–सिकरोडा थाना मसूरी कमिश्नरेट गाजियाबाद। (अभ्यर्थी)
12– प्रशांत कुमार पुत्र नेमपाल सिंह नि0 ग्राम–बहजोई देहात संभल। (अभ्यर्थी)
13– अभिषेक चौधरी पुत्र बिजेन्द्र सिंह नि0 ग्राम–गगौडाजट थाना हलदौर जनपद बिजनौर।(अभ्यर्थी)

बरामदगी–

1– 21 अंक पत्र (मार्कशीट) बिहार विश्वविद्यालय
2– 01 अंक पत्र (मार्कशीट) बंगाल विश्वविद्यालय
3– 03 कार (एल्टो–यूपी–20सीपी–6881, आई0टेन0–यूपी–14बीए–9286, होण्डा सिटी डीएल– 3सी–बीई–4884)

4— 14 मोबाईल फोन
5— साजिद के मोबाईल मे सेव सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के विभिन्न अंकपत्र (मार्कशीट)

गिरफ्तारी का स्थान दिनांक व समय–

दिनांक—30—09—2024, समय—19.25 बजे प्रातः स्थान—भमोला पुल, थाना सिविल लाईन जनपद अलीगढ़।

विगत काफी दिनों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपदों में फर्जी अंक पत्र तैयार कर भारतीय डाक विभाग में भर्ती कराने वाले गिरोह के सदस्यों के सक्रिय होने की सूचनायें प्राप्त हो रही थी। इस सम्बन्ध में एस0टी0एफ उत्तर प्रदेश की विभिन्न इकाईयों/टीमों को अभिसूचना संकलन एवं कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में श्री बृजेश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एस0टी0एफ0 फील्ड इकाई, मेरठ में टीमे गठित कर अभिसूचना संकलन की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तथा अभिसूचना तन्त्र को सक्रिय किया गया।

अभिसूचना संकलन के दौरान दिनांक 30—09—2024 को निरीक्षक श्री सुनील कुमार के नेतृत्व में उ0नि0 जयवीर सिंह, उ0नि0 दुर्बेश डबास, हे0कां0 रकम सिंह, हे0कां0 आकाशदीप, हे0कां0 रोमिश तोमर, हे0कां0 विनय कुमार, हे0कां0 प्रदीप धनकड, हैड कान्स0 विकास धामा, हैड कान्स0 विकास बैसला की टीम वांछित/ईनामी अपराधियों की तलाश में जनपद अलीगढ में भ्रमणशील थी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि भारतीय डाक विभाग में ''ग्रामीण डाक सेवक'' के पद पर फर्जी अंक पत्र (मार्कशीट) तैयार कर भर्ती कराने वाले गिरोह के सदस्य भमोला पुल (थाना सिविल लाईन जनपद अलीगढ) के नीचे तीन गाडियों में बैठकर किसी अन्य साथी के आने का इंतजार कर रहे है, यदि जल्दी की जाये तो पकडे जा सकते है। मुखबिर की इस सूचना पर स्थानीय पुलिस थाना सिविल लाईन जनपद अलीगढ को साथ लेकर मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान से उपरोक्त व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया जिनके कब्जे से उपरोक्त बरामदगी हुई।

गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि वह भारतीय डाक विभाग में **''ग्रामीण डाक सेवक**'' के पद पर भर्ती हेतु प्रत्येक अभ्यार्थी से 4 से 5 लाख रूपये लेते है। उनके गिरोह के सदस्य ही अभ्यार्थी के लिए विभिन्न विश्वविद्यालय (सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, बिहार शिक्षा बोर्ड पटना) की मार्कशीट तैयार करते है। डाक विभाग में अभ्यार्थी की वेरीफिकेशन के लिये डाक अधीक्षक संजय कुमार सिंह को विकल यादव के माध्यम से प्रत्येक अभ्यार्थी के 01 लाख रूपये के हिसाब से देते थे। वाकी पैसे आपस में बाट लेते थे। यह लोग इस काम को काफी समय से करते आ रहे है। आज भी कुछ अभ्याथियों के वेरीफिकेशन के सम्बन्ध में बात करने के लिए इकठ्ठा हुए थे। दिनांक 30—09—2024 को विकल यादव के माध्यम से 05 अभ्यार्थियों का वेरीफिकेशन कराया गया था। 02 अभ्यार्थियों का वेरीफिकेशन अगले दिन कराने की बात थी।

गिरफ्तार अभियुक्त विकल यादव से पूछताछ पर पता चला कि यह मैनपुरी में पोस्टमैन के पद पर नियुक्त है तथा वर्तमान में डाक अधीक्षक मैनपुरी की गाड़ी चलाता है। साजिद जो फर्जी मार्कशीट तैयार करता है से उसकी मुलाकात तत्कालीन डाक अधीक्षक मैनपुरी देवेन्द्र कुमार सिंह जो वर्तमान में झांसी में तैनात है के माध्यम से हुई थी, क्योकि साजिद देवेन्द्र कुमार सिंह से मिलने उनके घर अथवा आफिस आता—जाता रहता था। जनपद अलीगढ के डाक अधीक्षक संजय कुमार सिंह पूर्व में मैनपुरी में नियुक्त रह चुके थे, इनकी गाडी भी विकल यादव चलाता था, इसलिये वह इनसे पूर्व से ही परिचित था। साजिद ने उसे डाक विभाग में वेरीफिकेशन के लिये प्रत्येक अभ्यार्थी 01 लाख रूपये देने की बात कही थी, जो उसने डाक

अधीक्षक संजय कुमार सिंह को बताई तो वह इस पर सहमत हो गये। उसने साजिद के कहने से कई अभ्यार्थियों के प्रथम व द्वितीय स्तर की फर्जी वेरीफिकेशन कराई जा चुकी है।

गिरफ्तार अभियुक्त साजिद ने पूछताछ पर बताया कि वह विभिन्न विश्वविद्यालयों/बोडों की फर्जी मार्कशीट तैयार कर उनका ऑन–लाईन डेटा तैयार कराता है। साजिद मार्कशीट विकास नि0 चिरंजीव बिहार जनपद गाजियाबाद से बनवाकर सॉफ्ट काफी अपने व्हाट्सएप पर मंगवाता था, जिसका प्रिंट वह आदिल नि0 ढक्का थाना सैदनगली जनपद अमरोहा से कराता था। फर्जी मार्कशीटों का ऑन–लाईन डेटा साहिल नि0 लुधियाना पंजाब से फीड कराता था। सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, बिहार शिक्षा बोर्ड पटना की मार्कशीट व ऑनलाईन डेटा रिकार्ड में रविन्द्र से फीड कराता था। दीपक पुत्र जयवीर सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ की फर्जी मार्कशीट तैयार करने में मदद करता था। शाकिब व गिरोह के अन्य सदस्य अभ्यार्थी लाते है। प्रत्येक अभ्यार्थी से 4 से 5 लाख रूपये लेते थे। जिसमें से वेरीफिकेशन के लिये 01 लाख रूपये विकल यादव को देते थे।

गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों से पूछताछ की तो निम्न तथ्य प्रकाश में आये हैं–

- भारतीय डाक विभाग द्वारा ''ग्रामीण डाक सेवक'' के 44,228 पदो पर भर्ती हेतु जुलाई–2024 में विज्ञप्ति जारी किया गया था।
- उत्तर–प्रदेश के लिये 4588 पदों पर भर्ती हेतु आरक्षित किये गये थे ।
- भारतीय डाक विभाग में ''ग्रामीण डाक सेवक'' पद पर चयन हाईस्कूल की मार्कशीट में प्राप्त अंकों के आधार पर होना था।
- गिरफ्तार गिरोह के सदस्य अभ्यार्थियों के अंक बढाकर फर्जी मार्कशीट तैयार कर भर्ती कराते थे।
- विकल यादव वर्तताान में मैनपुरी में पोस्टमैन के पद पर तैनात है तथा डाक अधीक्षक की गाडी चलता है।
- वर्ष–2023 में तत्कालीन डाक अधीक्षक मैनपुरी देवेन्द्र कुमार सिंह के माध्यम से साजिद से मुलाकात हुई।
- देवेन्द्र कुमार सिंह वर्तमान में सीपीएम झांसी में तैनात है।
- जनपद अलीगढ में नियुक्त डाक अधीक्षक संजय कुमार सिंह पूर्व में जनपद मैनपुरी में नियुक्त रह चुके थे, जिनसे विकल यादव भली–भॉति परिचित था।
- साजिद विकल यादव को अभ्यार्थी की वेरीफिकेशन करने का 01 लाख रूपये देता था ।
- साजिद व उसके गिरफ्तार उपरोक्त साथी अभ्यार्थियों से 4 से 5 लाख रूपये लेते थे ।
- विकास नि0 चिरंजीव विहार गाजियाबाद बनाकर सॉफ्ट कापी में साजिद को भेजता है।
- साजिद मार्कशीट का प्रिंट आदिल नि0 ढक्का थाना सैदनगली अमरोहा से कराता है।
- तैयार की गई मार्कशीट का डेटा साहिल नि0 लुधियाना पंजाब ऑन लाईन रिकार्ड कराता है।
- सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ व राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, बिहार शिक्षा बोर्ड पटना की मार्कशीट व डेटा ऑन लाईन रविन्द्र करता है।
- यह लोग विगत 4 वर्ष से फर्जी मार्कशीट बनाने का कार्य कर रहे है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना सिविल लाईन जनपद अलीगढ पर मु0अ0सं0 459/2024 धारा 318(4), 338, 336(3), 336(2), 340(2), 61(2) व 7 भ्रष्टाचार निवारण अधि0 पंजीकृत कराकर वैधानिक कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा सम्पादित की जा रही है।